an>

Title : The Speaker made references to the passing away of Shri Sriballav Panigrahi, member, 8th, 10th and 11th Lok Sabhas; Shri R.S. Gavai, member, 12th Lok Sabha; and Shri Bijoy Handique, member, 10th to 15th Lok Sabhas. She also made reference to the death of 7 persons including Superintendent of Police and three Home Guard officials and injuries to 17 others in a cowardly attack on a police station and a bus in Dinanagar, district Gurdaspur, Punjab on 27 July, 2015.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को तीन भूतपूर्व सदस्यों श्री श्रीवल्लभ पाणिग्राही, श्री आर.एस. गवई और श्री विजय हांडिक के दुःखद निधन के बारे में सूचित करना है।

श्री श्रीवल्लभ पाणिग्राही ओडिशा के देवगढ़ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए आठवीं, नौवीं और ग्यारहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

एक सुयोग्य संसदविद्, श्री पाणिग्राही ने दसवीं लोक सभा के दौरान पैट्रोलियम और उर्वरक सम्बन्धी स्थायी समिति के सभापति के रूप में कार्य किया। उन्होंने आठवीं, नौवीं और ग्यारहवीं लोक सभा के दौरान विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

श्री पाणिग्राही वर्ष 1971 से वर्ष 1977 तक दो कार्यकाल के लिए ओडिशा विधान सभा के सदस्य भी रहे। उन्होंने ओडिशा सरकार में वर्ष 1972 से 1977 तक विभिन्न मंत्रालयों में मंत्री के रूप में कार्य किया।

श्री श्रीवल्लभ पाणिग्राही का निधन 74 वर्ष की आयु में 8 जुलाई, 2015 को बेंगलूरू में हुआ।

श्री आर.एस. गवई बारहवीं लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने महाराष्ट्र के अमरावती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने वर्ष 2000 से 2006 तक राज्य सभा के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

एक सम्मानित संसदविद्, श्री गवई बारहवीं लोक सभा के दौरान शहरी और ग्रामीण विकास सम्बन्धी समिति के सदस्य भी रहे।

इससे पूर्व, श्री गवई वर्ष 1964 से 1994 तक पांच बार महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य रहे। वे वर्ष 1978 से 1984 तक महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति रहे थे तथा उन्होंने वर्ष 1968 से 1978 तक दो कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र विधान परिषद के उप सभापति के रूप में भी कार्य किया। वे वर्ष 1986 से 1988 तक महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता थे।

श्री गवई ने वर्ष 2006 से 2008 तक बिहार के राज्यपाल के रूप में कार्य किया और 2008 से 2011 तक वे केरल के राज्यपाल रहे। वे वर्ष 2006 में सिक्किम के कार्यवाहक राज्यपाल भी थे।

श्री आर.एस. गवई का 86 वर्ष की आयु में 25 जुलाई, 2015 को नागपुर में निधन हो गया।

श्री विजय हाण्डिक वर्ष 1991 से 2014 तक असम के जोरहाट संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से दसवीं से पंद्रहवीं लोक सभाओं के सदस्य थे।

श्री हाण्डिक पन्द्रहवीं लोक सभा के दौरान खान और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री थे। उन्होंने चौदहवीं लोक सभा के दौरान रक्षा, संसदीय कार्य, रसायन और उर्वरक तथा खान मंत्रालयों में राज्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया।

इससे पूर्व श्री हाण्डिक वर्ष 1980 से 1986 तक राज्य सभा के सदस्य थे और वर्ष 1972 से 1976 तक असम विधान सभा के सदस्य थे। श्री हाण्डिक दसवीं से तेरहवीं लोक सभाओं के दौरान रेल अभिसमय समिति के सभापति और विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य भी रहे।

विद्वान श्री हाण्डिक ने 'द अदर साइड ऑफ द मिरर' और 'अमेरिकन पोएट्री एन्थालाजी' शीर्षक से अमेरिकी काव्य संकलन में कविताएं भी प्रकाशित की।

श्री विजय हाण्डिक का निधन 80 वर्ष की आयु में 26 जुलाई, 2015 को जोरहाट, असम में हो गया।

हम अपने पूर्व साथियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और अपनी ओर से और सभा की ओर से शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

माननीय सदस्यगण, प्राप्त सूचना के अनुसार 27 जुलाई, 2015 को पंजाब के गुरदासपुर में एक पुलिस थाने और एक बस पर हुए आतंकवादी हमले में पुलिस अधीक्षक श्री बलजीत सिंह और होम गार्ड के तीन कर्मी सर्वश्री सुखदेव सिंह, बोध राज और देस राज शहीद हुए और 17 अन्य घायल हो गए। श्री बलजीत सिंह के पिता भी आतंकी कार्रवाई में शहीद हुए थे।

सभा इस आतंकी हमले की घोर निंदा करती है और शोक संतप्त परिवारों और घायलों को हुए कष्ट और पीड़ा पर अपना गहरा दुःख व्यक्त करती है। इस हमले में और भी जो दिवंगत आत्माएं हैं, सभी दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर के लिए सभा मौन खड़ी रहेगी।

11.07 hrs

The Members then stood in silence for short while.